Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 14-08-2006
Participants : Pradhan Shri Ashok Kumar,Verma Shri Bhanu Pratap Singh

an>

Title : Reported blast in Jalaun-Garautha Parliamentary Constituency resulting in heavy causalities.

श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा (जालौन) : माननीय उपाध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश के जनपद झांसी की तहसील मोठ के अतंर्गत कथुआ-समथर इलाके में दिनांक 11.8.2006 को करीब 12.30 बजे एक अल्पसंख्यक बंधु के घर में उनका नाम माकूल खां हैं, वहां एक भीाण बम ि वस्फोट हुआ। उसमें आधा दर्जन के करीब लोग मारे गए हैं और डेढ़ दर्जन से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। वहां की स्थिति यह है कि इतना भीाण बम विस्फोट हुआ था कि जो महिला की लाश उस घर से निकली वह खेत में करीब पौने किलोमीटर दूर जा कर गिरी। माकूल खां की लाश जा कर खम्भे से टकराई और टकराने के बाद नीचे गिरी और उसके कपड़े उसी खम्भे के तार से लटके रहे। इस भीाण बम विस्फोट में आरडीएक्स का प्रयोग किया गया था। ऐसी कौन सी चीजें थीं, जो उस घर में बनाई जा रही थीं? लोगों का कहना है कि वहां बाहर की गाड़ियां आती थीं और रात-रात भर लोग रुकते थे। वहां निश्चित बारूद की कोई ऐसी चीज बनाई जा रही थी, आरडीएक्स के द्वारा, जिससे निश्चित ही कहीं न कहीं विस्फोट करने की साजिश रची जा रही थी। जब दूसरे दिन मुझे सूचना प्राप्त हुई।...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: This is a State matter.

श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा : दूसरे दिन जब मैं वहां पहुंचा, तो उनके बगल के मकान से कम से कम आठ-दस बोरे बारूद के निकाल कर पानी में फैंके गए।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :प्रधान जी, कुछ भी रिकार्ड में नहीं जा रहा है। आप बैठ जाइए।

...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing is going on record.

*(Interruptions) ...**

श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा : वहां छतों पर, घरों में, पानी के तालाबों में किसी के हाथ, किसी के सिर, किसी के पैर साफ नजर आ रहे थे। वहां का प्रशासन मूक दर्शक बना हुआ देख रहा था। दूसरे दिन 28 घंटे बाद प्रशासन गया और मात्र उन लोगों के मकान में ताले डाले जा रहे थे, जिन मकानों को पहले ही बारूद से खाली कराया जा चुका था। मेरी केंद्र सरकार से मांग है कि यह जो बार बार सूचना दी जा रही है कि

---

* Not Recorded.

15 अगस्त के मौके पर कोई आतंकवादी गतिविधियां तो नहीं कर रहा है, हमें आस-पास की संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए, इसलिए मेरी केंद्र सरकार से मांग है कि जो यह भीाण विस्फोट हुआ है इसकी सीबीआई जांच कराई जाए, क्योंकि उस मकान में मुम्बई के लोग भी आते-जाते थे। जितने लोग मारे गए थे, उनकी भी जांच कराई जाए कि वे कहां के रहने वाले थे।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइए। Though it is a State matter, I have allowed it to come on record. Now nothing will go on record.

*(Interruptions) ...**

उपाध्यक्ष महोदय : अशोक प्रधान जी,आपको श्री भानु प्रताप के विाय से सम्बद्ध कर देते हैं।